एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 05 (सितम्बर-अक्टूबर, 2023)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

प्रधानमंत्री कुसुम योजना- सौर ऊर्जा से समृद्धि की ओर

(*रमेश चन्द बुनकर[1], लक्षिता चौहान[2] एवं देवेन्द्र सिंह[2])
[1]डेयरी विस्तार विभाग, भा. कृ. अनु. प.- राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल-132001 (हरियाणा)
[2] प्रसार शिक्षा विभाग, राजस्थान कृषि महाविद्यालय, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर- 313001 (राजस्थान)
*संवादी लेखक का ईमेल पता: rb603026@gmail.com

देश में सभी लोग जानते हैं कि किसान भाइयों को लाभ पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार सभी प्रकार की योजनाओं की शुरुआत करती आ रही है। ताकि किसान भाइयों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। वैसे तो आप सभी लोग जानते जानते होंगे कि देश में ऐसे बहुत से राज्य हैं। जहां पर सूखा पड़ने से किसानों की खेती खराब हो जाती है। सरकार द्वारा किसानों की आय को बढ़ाने के लिए और उनकी बेहतरीन के लिए राज्य सरकार अपने प्रदेश के किसानों को सौर ऊर्जा से चलने वाले सोलर पंप उपलब्ध कराएगी, जो किसान के लिए होगा। जिससे वह कभी भी बिजली के बल की चिंता किए बगैर खेतों की सिंचाई कर सकेंगे। यहीं नहीं सौर ऊर्जा से चलने वाले सोलर पंप की मदद से निर्बाध रूप से सिंचाई की प्रक्रिया जारी रह सकेगी। इस से किसानों की आमदनी भी अच्छी होगी। इस योजना के यह लाभ उठाने के लिए सभी किसानों को कुसुम सोलर पंप योजना में आवेदन करना होगा। कुसुम योजना के अंतर्गत किसानों को सोलर पैनल उपलब्ध करवाने हैं। पहले सभी राज्य के सभी किसानों भाई डीजल सिंचाई पंपों का इस्तेमाल करते थे लेकिन अब सरकार की इस योजना के तहत सौर ऊर्जा से चलाया जाएगा। इन सभी समस्याओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने पीएम कुसुम किस ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महा अभियान योजना की शुरुआत की है। कुसुम योजना के तहत खेती की सिंचाई करने वाले पंपों को सौर ऊर्जा वाले पंपों में बदल जाएगा। पहले जिन किसानो की खेती में सूखा पड़ जाने के कारण फसल खराब हो जाती थी। किसानों को सर्दी में रात के समय फसल में पानी देते समय जिन समस्या का सामना करना पड़ता था वह अब नहीं करना पड़ेगा।

कुसुम योजना के क्रियान्वयन के अंतर्गत राजस्थान पहले नंबर पर

कुसुम योजना को किसानो की आय में वृद्धि करने के लिए आरंभ किया गया है। यह योजना दिन में बिजली उपलब्ध कराने और सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने में लाभकारी साबित हुई है। राजस्थान देश भर में इस योजना के क्रियान्वयन में पहले स्थान पर है राजस्थान में इस योजना के अंतर्गत बिजली उत्पादन की सुविधा आरंभ हो गई है। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम द्वारा संचालित प्रधानमंत्री कुसुम कंपोनेंट ए योजना के अंतर्गत जयपुर के जिले कोटपूतली तहसील में बालाजी गांव में प्रथम सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। जिसके लिए लगभग 3.70 करोड रुपए खर्च किए गए हैं। राजस्थान कुसुम योजना इस योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार के साथ मिलकर राज्य सरकार प्रदेश के किस वर्ग को सोलर पंप उपलब्ध करवाएगी। इसके लिए उन्हें सिर्फ 10% का ही भुगतान करना होगा। जिसकी सहायता से सभी किसान पहले से बेहतर तरीके से सिंचाई कर सकते हैं। राजस्थान कुसुम योजना में मिलने वाले सोलर पंप की कीमत का 60% तक

केंद्र व राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा 30% राज्य सरकार द्वारा 30% का और नाबार्ड द्वारा सभी 30% कीमत का खर्च पर लोन की सुविधा भी उपलब्ध है।

राजस्थान कुसुम सोलर पंप की विशेषताएं

राजस्थान सरकार अक्षय ऊर्जा निगम द्वारा इस कुसुम योजना के तहत 3 एचपी 5 एचपी 7.5 एचपी एवं 10 एचपी वॉट तक के सोलर पंप किसानों को दिए जाएंगे। परंतु अनुदान 7.5 एचपी क्षमता दायक देय है। इस योजना के माध्यम से मिलने वाले सोलर पंप बिना किसी रूकावट के कम कर सकते हैं क्योंकि इनमें बिजली का इस्तेमाल नहीं होता है और ये सौर ऊर्जा से चलते हैं। इसलिए किसान रात को भी सिंचाई कर सकते हैं। यह योजना सबसे ज्यादा लाभदायक ऐसे क्षेत्र के लिए होगी जहां सूखा पड़ता है। इस सूखे की वजह से खराब होने वाली फसल बच जाएगी और बंजर भूमि कृषि योग्य बन सकेगी। इन सोलर पंप से मिलने वाली अतिरिक्त ऊर्जा को किस भी भेज सकेंगे जिससे उनकी अलग से आए भी हो जाएगी।

कुसुम योजना का उद्देश्य

योजना को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार का यह है कि किसान भाइयों को सोलर पैनल के माध्यम से मुफ्त बिजली उपलब्ध करवाना। ताकि सभी राज्य के किसान भाई सोलर पैनल के माध्यम से खेतों में सिंचाई कर सके। कुसुम योजना के अंतर्गत सभी किसान भाइयों को लाभ पहुंचाया जाएगा ताकि किसान भाइयों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। इस योजना के तहत किसानों को सिंचाई के लिए सोलर पैनल की सुविधा प्रदान करना जिससे वह अपने खेतों को अच्छे से सिंचाई कर सकेंगे। इस योजना के जरिए किसान को दोहरा फायदा होगा और उनकी आमदनी में भी बढ़ोतरी होगी। दूसरा यदि किसान अधिक बिजली बनाकर ग्रेड को भेजते हैं तो उन्हें इसकी कीमत भी मिलेगी।

पीएम कुसुम योजना के लाभ

- इस योजना का लाभ देश के सभी किसान उठा सकते हैं।
- 10 लाख ग्रेड से जुड़े कृषि पंपों का सोलराइजेशन।
- इस योजना से अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होगा।
- सोलर प्लांट लगने से किसान अपने खेतों में आसानी से सिंचाई कर सकते हैं।
- सोलर पैनल से जो अतिरिक्त बिजली बनेगी उसे बिजली को सरकारी या गैर सरकारी बिजली विभागों मैं बचा जा सकता है।
- कुसुम योजना के अंतर्गत सभी किसान जो सोलर पैनल लगवाएंगे वह बंजर भूमि में लगवाएंगे जिससे की बंजर भूमि का भी उपयोग हो जाएगा वह बंजर भूमि से भी आए प्राप्त होगी।
- इस योजना के अंतर्गत सोलर पैनल लगाने के लिए सरकार की तरफ से किसानों को 60% केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा वित्तीय अनुसंधान सहायता दी जाएगी वह बैंक 30% रन की सहायता प्रदान करेगा और सिर्फ किसानों को 10 फ़ीसदी का ही भुगतान करना पड़ेगा।
- कुसुम योजना उन किसानों के लिए फायदेमंद होगी जहां सूखाग्रस्त एवं बिजली की समस्या रहती हो।
- रियायती मूल्य पर सौर सिंचाई पंप उपलब्ध करवाना।
- खेतों को सिंचाई करने वाले पंप सौर ऊर्जा से चलेंगे किसने की खेती में बढ़ावा होगा।
- योजना के तहत कम दामों पर किसानों को सिंचाई पंप दिए जाएंगे।
- इस योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में चले आ रहे डीजल 17.5 लाख सिंचाई पंपों को सौर ऊर्जा से चलाया जाएगा ताकि डीजल की खपत कम हो।
- इस योजना के तहत अब सिंचाई करने वाले पंप सौर ऊर्जा से चलेंगे ताकि किसानों की खेती में ना नुकसान हो।

कुसुम योजना के कॉम्पोनेंट

- **सौर पंप वितरण:** कुसुम योजना के प्रथम चरण के दौरान केंद्र सरकार के विभागों के साथ मिलकर बिजली विभाग सौर ऊर्जा संचालित पंप के सफल वितरण करेगी।
- **सौर ऊर्जा कारखाने का निर्माण:** सौर ऊर्जा कारखाने का निर्माण किया जाएगा जो की पर्याप्त मात्रा में बिजली का उत्पादन करने की क्षमता रखते हैं।
- **ट्यूबवेल की स्थापना:** सरकार द्वारा ट्यूबवेल की स्थापना की जाएगी जो कि कुछ निश्चित मात्रा में बिजली उत्पादन करेंगे।
- **वर्तमान पंपों का आधुनिकरण:** वर्तमान पंपों का आधुनिकरण भी किया जाएगा तथा पुराने पंपों की नई सौर पंपों से बदला जाएगा।

कुसुम योजना के लाभार्थी

- किसान
- किसानों का समूह
- सरकारी समितियां
- पंचायत
- किसान उत्पादक संगठन
- जल उपभोक्ता संगठन

महत्वपूर्ण दस्तावेज:

- आधार कार्ड
- राशन कार्ड
- रजिस्ट्रेशन की कॉपी
- ऑथराइजेशन लेटर
- जमीन की जमाबंदी की कॉपी
- चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा जारी नेट वर्थ सर्टिफिकेट
- विकास करता के माध्यम से प्रोजेक्ट विकसित करने की स्थिति में मोबाइल नंबर बैंक खाता विवरण
- पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ

ऐसे करें अपना पंजीकरण:

- सबसे पहले योजना के आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं
- होम पेज पर कुसुम योजना के लिए आवेदन पर क्लिक कर दें
- क्लिक करने के बाद आवेदन पत्र खुलेगा जहां आपको पूछी गई सभी जानकारी भरनी होगी यहां आप अपना नाम बैंक खाता संबंधी जानकारी स्थाई पता मोबाइल नंबर आदि दर्ज करना होगा अंत में सबमिट के बटन पर जाकर क्लिक कर दे
- इसके बाद के चयन के बाद पंप की 10% लागत आपको जमा करने के लिए निर्धारित किया जाएगा इस भुगतान के बाद आपको कुछ दिनों में सोलर पंप उपलब्ध करा दिया जाएगा।

कुसुम योजना से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां:

- कुसुम योजना की एक खास बात यह है कि योजना के अंतर्गत प्लांट की कुल लागत का 30% राशि केंद्र सरकार देगी, 30% राशि राज्य सरकार देगी इसके अलावा 30%राशि कृषि उपभोक्ता को लोन के रूप

में नाबार्ड या अन्य बैंकिंग संस्थान द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। इसका मतलब यह है कि किसानों को केवल 10% राशि ही देनी होगी इसके अलावा अतिरिक्त बिजली उत्पादन होने पर बची हुई बिजली को किस द्वारा बचा भी जा सकता है।

- आवेदक के पास आवेदन के समय आधार कार्ड एवं बैंक खाता होना अनिवार्य है।
- सरकार द्वारा आवेदक के खाते में सब्सिडी की राशि भेजी जाएगी।
- इसके अलावा किसान डिस्काउंट एवं बैंक के साथ थर्ड पार्टी एग्रीमेंट साइन किया जाएगा किसान द्वारा बेची गई बिजली की कमाई को दो हिस्सों में बांटा जाएगा।
- पहला हिस्सा उपभोक्ता का एवं दूसरा हिस्सा लोन की किस्त का होगा इस योजना के माध्यम से किसानों तक बिजली पहुंचेगी तथा बंजर जमीन से पैसे कमाए जा सकेंगे।